हिमाचल प्रदेश

कला समेकित अधिगम पर मास्टर ट्रेनर्स के लिए क्षमता निर्माण कार्यशाला

कार्यक्रम का नाम	:	कला समेकित अधिगम पर हिमाचल प्रदेश के मास्टर ट्रेनर्स हेतु क्षमता निर्माण कार्यक्रम।
आयोजकों का नाम	:	राष्ट्रीय शैक्षिक अनुसंधान और प्रशिक्षण परिषद्, नई दिल्ली, ब्रिटिश काउन्सिल इन्डिया, एवं एस.एस.ए., हिमाचल प्रदेश।
दिनांक	:	22 से 27 सितम्बर 2014
स्थान	:	डाइट, श्यामला घाट, शिमला, हिमाचल प्रदेश।
प्रतिभागियों की संख्या	:	35
समन्वयक	:	प्रो. पवन सुधीर, अध्यक्ष, डी.ई.ए.ए., एन.सी.ई.आर.टी., नई दिल्ली।
सहायक समन्वयक	:	संतोष कुमार राणा, सहायक प्राध्यापक, डी.ई.ए.ए., एन.सी.ई.आर.टी., नई दिल्ली।

हिमाचल प्रदेश सौंदर्य और पवित्रता जहाँ एक साथ निवास करती है। आँखों और मन को भाने वाले ऊँचे-ऊँचे पहाड़ और हरियाली से भरा-पुरा प्रदेश हिमाचल जहाँ की लगभग आबादी 68,64,602 है और 55,673 वर्ग किलोमीटर क्षेत्र है। यहाँ की साक्षरता दर 89.53 प्रतिशत है। हिमाचल प्रदेश में हिंदी, पहाड़ी, पंजाबी, कांगरी और किन्नाउरी बोली जाती है। इसी प्रदेश के शिमला जिले में दिनांक 22 सितम्बर से 27 सितम्बर 2014 तक रा.शै.अनु.प्र.प., ब्रिटिश काउन्सिल ऑफ इंडिया और एस.एस.ए. हिमाचल प्रदेश के संयुक्त तत्वावधान में कला समेकित अधिगम पर मास्टर ट्रेनर्स के लिए क्षमता निर्माण कार्यशाला का द्वितीय चरण आयोजित किया गया। जिसमें राज्य

के विभिन्न जिलों से 35 शिक्षक एवं शिक्षक प्रशिक्षक प्रतिभागी के रूप में भागीदारी की।

कार्यशाला का आरंभ कला एवं सौंदर्यबोध शिक्षा विभाग और ब्रिटिश काउन्सिटल ऑफ इंडिया संयुक्ता रूप से किया। प्रशिक्षकों ने संगीत के माध्यसम से सीखने-सिखाने की नई विधि का प्रयोग किया गया।

कार्यशाला के शेष चार दिन रा.शै.अनु.प्र.प. हेतु मास्टर साधन सेवियों द्वारा कला समेकित अधिगम पर क्षमता निर्माण हेतु प्रतिभागी मास्टर ट्रेनर्स को दृश्य एवं प्रदर्शनकारी कलाओं का प्रशिक्षिण दिया।

कला एवं सौंदर्य बोध शिक्षा विभाग, एन.सी.ई.आर.टी. के विभागाध्यक्ष प्रो. पवन सुधीर के समनवयन में संचालित इस कार्यशाला में निम्नांकित बिंदुओं पर विशेष बल दिया गया।

- प्रतिभागियों की शत-प्रतिशत भागीदारी।
- क्षेत्रीय एवं लोक कलाओं को कला समेकित अधिगम में महत्वपूर्ण स्थान देना।
- लोक संस्कृंतियों को संरक्षण एवं बढ़ावा देना।
- विद्यालय एवं कक्षा में शिक्षक एवं विद्यार्थियों के लिए कला समेकित अधिगम के माध्यम से एक नई ऊर्जा संचारित करना।
    - **चेतना सत्र -** ध्यातव्य हो कि प्राय: देश के सभी विद्यालयों का कार्यारंभ सुबह की सभा से होता है। जिसे प्रार्थना सभा, मॉर्निंग एसेम्बली, आदि-आदि नामों से जाना जाता है। हर दिन परंपरागत तरीके से आयोजित यह सभा एकरसता के कारण अपना आकर्षण खो चुकी है। अत: इस सत्र को आकर्षक और ज्ञान वर्धक बनाने के लिए कार्यशाला के हर दिन का आरंभ चेतना सत्र से किया गया। जिसमें प्रतिभागियों को विभिन्न ज्यामितीय आकारों में खड़े होने का प्रारूप बताया गया। नित्य नई बोलियों में प्रार्थना गायन होता तथा इसके उपरांत कविता-कहानी वाचन, लोकनृत्य, स्थानीय समाचार वाचन, नाट्य प्रस्तुतियाँ भी शामिल की

जाती थीं। प्रतिभागियों को प्रतिदिन नये वेश-भूषा में उपस्थित होने का निर्देश दिया जाता। जिससे वे दिन भर सीखी गयी, कलाओं का उपयोग भी कर पाते थे। प्रतिभागी कभी कागज के विभिन्न मुखौटों के साथ उपस्थित होते तो कभी मुकुट धारण कर राजा-महाराजा की तरह, इस प्रकार कार्यशाला का कार्यारंभ रचनात्मक और ऊर्जावान हो जाता था। प्रतिभागियों ने स्वीकार किया कि विद्यालयों में चेतना सत्र के प्रयोग से रचनात्मकता और ऊर्जा का संचार निश्चित रूप से होगा।

- **दृश्य कला-** शिमला में आयोजित यह कार्यशाला द्वितिय चरण की थी। प्रथम चरण में दृश्यकलाओं के विभिन्न पहलुओं पर विस्तार से कार्य हो चुके थे। लेकिन कुछ नये प्रतिभागियों के कारण पुन: दृश्यकला को स्थान दिया गया। दृश्यकला में कागज के जादू, रंगों के विभिन्न प्रयोगों, मिट्टी के मूर्ति निर्माण कला आदि के माध्यम से कक्षा में सीखने की प्रक्रिया को और कैसे रोचक और रचनात्मक बनाया जाये इस पर कार्य किया गया।
- **नृत्य कला-** कला समेकित अधिगम पर मास्टर ट्रेनर्स के लिए क्षमता निर्माण कार्यशाला में शिमला में नृत्यकला को विशेष स्थान दिया गया। देश की प्रसिद्ध कथक नृत्यांगना एवं शिक्षा के साथ नृत्य के प्रयोगों पर कार्य कर रही 'निशा महाजन' द्वारा दैनिक जीवन की गति चर्चा को नृत्य का रूप देने का तरीका सिखाया गया। हिमाचल प्रदेश में प्रचलित लोक नृत्य रूपों को किस प्रकार कक्षा में सीखने-सिखाने के प्रयोजन से प्रयोग किया जाये इस पर भी कार्य किये गये।
- **रंगमंच-** सभी कलाओं का मिश्रित रूप रंगमंच कला हैं, इस कारण से कार्यशाला में सीखे गये सभी कलाओं का प्रयोग इसमें संभव हो जाता है। कार्यशाला में प्रतिभागियों को विभिन्न विषयों पर आधारित (गणित, समाजिक विज्ञान, विज्ञान, भाषा, लोक संस्कृति) एक-एक मुद्दा दिया

गया, जिसके ऊपर प्रतिभागियों में नाट्य लेखन की और उसे प्रस्तुत किया। प्रस्तुतियों पर विचार विमर्श किये।

विचार विमर्श में यह समझने का प्रयास किया गया कि नाट्य प्रस्तुति किस प्रकार किसी विषय वस्तु को अथवा कठिन से कठिन पाठ को कक्षा में सहज रूप में सीखने योग्य बना देती है साथ ही कक्षा में नाट्य कला का प्रयोग किस प्रकार संभव हो सकेगा।

वृत्त चित्र- कला समेकित अधिगम को लेकर देश के विभिन्न विद्यालयों में हो रहे कार्यों को एक दूसरे तक पहुँचाने का बेहतर माध्यम है वृत्त चित्र एन.सी.ई.आर.टी. के सी.आई.टी. विभाग द्वारा इस तरह की कई लघु वृत्त चित्र और फिल्में बनाई गई हैं। जिन्हें प्रतिभागियों के बीच वितरित किया गया। साधन सेवी वीणा गांधी द्वारा उनके विद्यालय सहित दिल्ली के अन्य विद्यालयों में कला समेकित अधिगम पर हो रहे कार्यों का वृत्त चित्र दिखाया गया साथ ही प्रतिभागियों द्वारा अपने कार्यों का वृत्त चित्र किस प्रकार बनाया जाये इसके लिए उन्हें प्रशिक्षित किया गया।

उपलब्धियाँ

- प्रतिभागियों की शत-प्रतिशत उपस्थिति और भागीदारी।
- हिमाचल प्रदेश के चालीस विद्यालयों को कला समेकित अधिगम के मॉडल विद्यालय रूप में कार्यान्वित करना।
- गणित, समाजिक विज्ञान, विज्ञान, भाषा विषयों को लेकर एक-एक नाट्य लेख।
- राज्य के 35 शिक्षक, शिक्षक प्रशिक्षण साधन सेवी रूप में प्रशिक्षित।

ntegrated Learning)
(Master Trainers)
22–27 सितम्बर 2014
amla Ghat, Himachal P

BRITISH COUNCIL
अधिगम
ted Learning)
(Master Trainers)

कला समेकित अधिगम
(Art Integrated Learning)
मास्टर ट्रेनर्स (Master Trainers)

कला समेकित अधिगम

कला समेकित अधिगम
(Art Integrated Learning)
मास्टर ट्रेनर्स (Master Trainers)

साधन सेवियों की सूचि

- **वे साधन सेवी जो प्रशिक्षण देने में पूर्णत: सक्षम हैं।**

1. **संजय देवी**

   Ms. Sanjay Devi,
   J.B.T,
   Govt. Primary School ,
   Surajpur,
   Block
   Solan, Himachal Pradesh

2. **जोगा सिंह**

   Mr. Joga Singh
   J.B.T,
   Govt. Primary School Sallewal
   Education Block Nalagarh

3. **सुनील दत्त**

   Mr. Suneel Datt,
   J.B.T,
   Govt. Primary School Rouri Education Bock- Dhundan
   Teh Arki, Distt- Solan,
   Himachal Pradesh

4. **कविता वर्मा**

   Mr. Kavita Verma
   J.B.T,
   Govt. Primary School Dummi,
   Education Block Shimla,
   Himachal Pradesh

5. **कपिल शर्मा**

   Mr. Kapil Sharma
   J.B.T,
   Govt. Primary School Badesh,
   Shimla, HImachal Pradesh

6. **विरेन्द्र ठाकुर**
   Mr. Virender Thakur,
   J.B.T,
   Govt. Primary School Rajhana,
   Shimla, Himachal Pradesh

7. **केसर सिंह**
   Mr. Kesar Singh,
   H.T,
   Govt. Primary School
   Raldu Bhatia,
   P.O. The Mall Shimla Teh & Distt,
   Shimla, Himachal Pradesh -17001

- **वे साधन सेवी जो एक सक्षम साधन सेवी के सहयोग से प्रशिक्षण दे सकते हैं।**

1. **रंजन कुमार पाठक**
   Mr. Rajan Kumar Pathak,
   J.B.T.
   Govt. Primary School
   Hanuman Badog

2. **बंदी देवी**
   Ms. Bindi Devi,
   H.T.
   Govt. Primary School ,
   B.C.S.,
   Shimla, Himachal Pradesh

3. **संगीता शर्मा**
   Ms. Sangeeta Sharma,
   J.B.T.
   Govt. Primary School
   Mehli

4. **अल्का शर्मा**
   Ms. Alka Sharma,
   J.B.T

Govt. Primary School
Block Kand
Distt. Solan,
HImachal Pradesh

5. संतोष शर्मा

Mr. Santosh Sharma,
J.B.T,
Govt. Primary School Baldayan

6. प्रमिला शर्मा

Ms. Pramila Sharma
J.B.T,
Govt. Primary School Chhausha,
Block Kandaghat Distt,
Solan, Himachal Pradesh

7. तिलक राज

Mr. Tilak Raj,
J.B.T,
Govt Center Primary School Ghalli,
Education Block Mashobra,
Distt. Shimla
Himachal Pradesh

8. सुदर्शन सिंह

Mr. Sudarshan Singh,
J.B.T,
Govt. Primary School, Chhiachhi,
Edu. Block, Ramshilas

9. चेत राम

Mr. Chet Ram
J.B.T,
Govt. Primary School Panjal,
Education Block Dhundan,

10. मीरा वर्मा

Ms. Meera Verma
J.B.T,

Govt. Primary School Chamjana,
Education Block Mashobra,
Shimla,
Himachal Pradesh

11. हुकुम दी

Ms. Hukum Dei,
J.B.T,
Govt Center Primary School,
Darla Ghat,
Block Dhundan,
Distt. Solan
Himachal Pradesh

12. विनोद कुमार

Mr. Vinod Kumar,
J.B.T,
Govt.C. Primary School Bhogpur,
Education Block Nalagarh

13. राम कृष्ण

Mr. Ram Krishan,
J.B.T,
Govt Center Primary School Koti,
Vill & P.O. Koti Junga,
Distt- Shimla,
Himachal Pradesh

14. कुलबीर सिंह

Mr. Kulbir Singh,
J.B.T,
Govt. Primary School Gullar Wala,
Teh. Nalagarh Distt,
Solan, Himachal Pradesh

15. अंजना गुप्ता

Ms. Anjana Gupta,
J.B.T,
Govt. Primary School K.K.Pani,
Education Block- Shimla

16. **भुनेश्वर**
Mr. Bhuneshwar,
J.B.T,
Govt. Primary School Bhumti,
Tehsil- Arki,
Distt- Solan, Himachal Pradesh

17. **भूपराम शर्मा**
Bhoop Ram Sharma,
J.B.T,
Govt. Primary School Taprog Block,
Suni

18. **रंजना नयन**
Ms. Ranjna Nayan,
CHT,
Govt Centre Primary School,
Bihar

19. **मीना बरवल**
Ms. Meena Barwal,
Lecturer,
Diet Solan

20. **मदन लाल**
Mr. Madan Lal,
J.B.T.
Govt. Primary School Barati Wala,
Education Block- Ramshekar

21. **वनीता**
Ms. Vaneeta
J.B.T,
Govt. Primary School Sounl

- **वे प्रतिभागी जिन्हें एक सक्षम साधन सेवी के रूप में कार्य करने हेतु तैयार की आवश्यकता है।**

1. **गगन कुमार चतुर्वेदी**
Mr. Gagan Kumar Chaturvedi,
J.B.T,
Govt. Primary School Battal,
Education Block Arki Pt Solan,
Himachal Pradesh

2. **कमलेश शर्मा**
Ms. Kamlesh Sharma,
J.B.T,
Govt. Primary School,
Ghora Chowki,
Education Block Shimla,
Himachal Pradesh

3. **अनीता कुमारी**
Ms. Anita Kumari,
J.B.T,
Govt. Primary School
Ghaura Maidan,
Education Block Shimla
Himachal Pradesh